ऑपरेशन मानसून कान्हा पार्क में घुसपैठ रोकने चल रहा ऑपरेशन, 30 सितंबर तक चलेगा अभियान, 1 अक्टूबर से शुरू होगा पार्क

एक हजार कर्मचारी व 17 हाथी संभाल रहे जंगल की सुरक्षा

नवभारत, मंडला. ख्यातिलब्ध कान्हा नेशनल पार्क में रैनी सीजन में तीन माह के लिए पर्यटन बंद रहता है, रैनी सीजन के चलते पर्यटकों का आना नहीं होता है। कान्हा पार्क 1 जुलाई से 30 सितंबर तक पर्यटन के लिए बंद रहता है। इसके बाद 01 अक्टूबर से फिर कान्हा पार्क में पर्यटन शुरू किया जाता है।

तीन माह पर्यटको को वनराज के दीदार नही होते है। रैनी सीजन में जंगल और वन्यप्राणियों की सुरक्षा के लिए ऑपरेशन मानसून चलाया जाता है। इस दौरान जंगल के चप्पे-चप्पे पर विभाग के अधिकारी, कर्मचारी नजर बनाए रखते है। विभाग के अमला और अधिकारियों की गश्त पूरे रैनी सीजन रहती है। बताया गया कि करीब 350 कर्मचारियों की कैंपों में तैनाती है। इसके साथ ही कान्हा के सभी अधिकारी और कर्मचारी मिलाकर करीब 1 हजार का स्टाफ जंगल की सुरक्षा में ऑपरेशन

मानसून के तहत गश्त कर रहा है। यह ऑपरेशन 1 जुलाई से शुरू हुआ है और 30 सितंबर तक चलेगा। जानकारी अनुसार विश्व की सबसे बड़ी जैव विविधता की प्रयोगशाला राष्ट्रीय उद्यान कान्हा है। जहां पर हर प्रकार के जीव जंतु वनस्पति वनों से आच्छादित है। दुर्लभ प्रजाति के जीव जंतु एवं वन्य प्राणी की उपलब्धता है। राष्ट्रीय उद्यान कान्हा के नाम से मंडला जिले को पूरी दुनिया में जाना जाता है। कान्हा नेशनल पार्क भारत के मध्यप्रदेश में मंडला और बालाघाट जिले की सीमा कान्हा में स्थित है। 1930 के दशक में कान्हा क्षेत्र को दो अभ्यारण्यों में बांटा गया था, हालोन और बंजर। अब कान्हा क्षेत्र में कोर 940, बफर 1134 और फेन 110 वर्ग किलोमीटर में फैला है।

कान्हा पार्क के संवेदनशील इलाकों पर विशेष नजर

मानसून के साथ ही कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में ऑपरेशन मानसून के तहत व्यापक तैयारियां की गई हैं। बारिश के दौरान मार्ग क्षतिग्रस्त होने और दुर्गम पहाड़ियों तक वाहनों की पहुंच मुश्किल होने के कारण कान्हा प्रबंधन ने वन और वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की है। ऑपरेशन मानसून के अंतर्गत कान्हा के 941 वर्ग किलोमीटर कोर एरिया में 120 कैंप, 1134 वर्ग किलोमीटर बफर में 50 कैंप और 110 वर्ग किलोमीटर फेन अभ्यारण में 12 पेट्रोलिंग कैंप सहित कुल 182 कैंप स्थापित किए गए हैं। इन कैंपों में तैनात वनरक्षक और स्थायी सुरक्षा श्रमिक लगातार पैदल गश्त कर रहे हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए रोस्टर और रूट चार्ट तैयार किए गए हैं जिससे जंगल में पेट्रोलिंग व्यवस्थित तरीके से हो सके। पेट्रोलिंग के दौरान पगडंडियों का बारीकी से निरीक्षण किया जा रहा है और घुसपैठ की संभावनाओं की जांच की जा रही है।

विभागीय हाथियों से गश्ती

गश्ती लिए रोस्टर तैयार किया जाता है। जिसमें अधिकारी, कर्मचारियों के दिन निर्धारित किये गये है। गश्त की सुरक्षा के लिए बनाये गये प्लान के अनुसार गश्ती का प्रतिवेदन रोजाना मुख्यालय भेजा रहा है। जिससे गश्ती में लापरवाही ना हो पाये। कान्हा नेशनल पार्क में पैदल और हाथियों के सहारे गश्ती की जा रही है। कान्हा में 17 विभागीय हाथी है। इस साल कान्हा, किसली, मुक्की और सूपखार क्षेत्र में हाथियों से गश्ती की जा रही है।

कर्मचारियों के स्वास्थ्य का ख्याल

पार्क में बारिश के दौरान नमी, मच्छर और दूषित पानी पीने के कारण मलेरिया, पीलिया, गेस्ट्रोराइटिस बीमारी फैलन की संभावना रहती है। कर्मचारियों को पानी उबालकर पीने, मच्छरदानी का उपयोग और प्राथमिक उपचार के लिए दवाईयों की व्यवस्था की गई है। कर्मचारियों और उनके परिवार के लिए माह में हर परिक्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है।

पलंग के नीचे छिपाई 350 पाव अवैध देशी शराब जब्त

बिछिया के परमाही टोला में अवैध शराब के जखीरे पर आबकारी का छापा

मंडला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी और प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी शैली सैयाम के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग ने मंडला के बिछिया वृत्त में अवैध शराब के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है।

जानकारी अनुसार मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर आबकारी बल ने वार्ड नंबर 15, परमाही टोला बिछिया में एक संदिग्ध मकान पर दबिश दी। तलाशी के दौरान घर पर सुरेंद्र यादव 48 वर्ष और रवि यादव 21 वर्ष उपस्थित मिले। जब आबकारी टीम ने घर की विधिवत तलाशी ली, तो कमरे में पलंग के नीचे छिपाकर रखे गए देसी मदिरा प्लेन के 7 कार्टून बरामद हुए। प्रत्येक कार्टून में 50 नग के हिसाब से कुल 350 पाव मात्रा 63 बल्क लीटर अवैध शराब जब्त की गई।

इनकी रही भूमिका

इस कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक सर्वेश नागवंशी, प्रधान आरक्षक हरे सिंह उइके, आरक्षक रघुनाथ उइके, महेश पटेल और कन्हैया उइके सहित समस्त आबकारी स्टाफ मुस्तैद रहा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अवैध मदिरा के निर्माण और विक्रय के खिलाफ यह दंडात्मक कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज

आरोपियों द्वारा शराब संग्रहण के संबंध में कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करने और विक्रय के उद्देश्य से धारण क्षमता से अधिक मदिरा रखने पर आबकारी विभाग ने सख्त रुख अपनाया। दोनों आरोपियों के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)क और 34(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। जब्त की गई मदिरा की कुल अनुमानित कीमत 35 हजार रूपए आंकी गई है। आबकारी टीम ने आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहाँ से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा (जेल) में भेज दिया गया है।

एक नजर में

शासकीय सेवा से निवृत्त हुए आरएचईओ रमेश

नारायणगंज। शासकीय सेवा से सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में आरएचईओ रमेश कुमार भारती द्वारा निर्मल छाया नारायणगंज में सेवानिवृत्ति मिलन एवं स्नेह सहभोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष रतन ठाकुर रहे। समारोह में डिंडौरी, जबलपुर, मंडला सहित स्थानीय स्तर के विभागीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, मित्रों और परिजनों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर श्री भारती के दीर्घ, निष्कलंक एवं समर्पित सेवाकाल की सराहना की।

इस अवसर पर विजय कुमार सिंह रौड़े द्वारा श्री भारती के जीवन संघर्ष और उपलब्धियों पर आधारित प्रेरणादायी जीवनगाथा का भावपूर्ण वाचन किया गया, और उन्हें विशेष अभिनंदन पत्र भेंट किया गया। मुख्य अतिथि रतन ठाकुर ने कहा कि श्री भारती ने ईमानदारी और निष्ठा से दायित्वों का निर्वहन कर विभाग की गरिमा बढ़ाई है। अंत में श्री भारती ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे आगामी जीवन समाज सेवा और परिवार के साथ सार्थक रूप से व्यतीत करेंगे।

जिले में 37 .9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई

मंडला। जिले में इस वर्ष 1 जून से 4 जुलाई 2026 के दौरान 150.4 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है जबकि इसी अवधि तक गत वर्ष 481.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस प्रकार गत् वर्ष की तुलना में इस वर्ष 330.8 मिलीमीटर कम वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 जुलाई 2026 को मंडला में 49.8 मि.मी., नैनपुर में 27.6 मि.मी. एवं बिछिया में 25.4 मि.मी., निवास में 33 मि.मी. एवं घुघरी में 77.1 मि.मी. एवं नारायणगंज में 14.6 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई। इस प्रकार जिले में 4 जुलाई 2026 को 37.9 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

कानून में संशोधन कर शिक्षक का सम्मान बचाए सरकार, पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता का विरोध

मंडला। ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन, मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डीके सिंगौर ने सेवारत शिक्षकों के हितों और सम्मान की रक्षा के लिए नियमों में संशोधन की पुरजोर मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि वर्षों से विद्यालयों में अपनी निष्ठापूर्वक सेवाएं दे रहे शिक्षकों को जीवन के इस पड़ाव पर पुन: शिक्षक पात्रता परीक्षा देने के लिए बाध्य करना उनके अनुभव और समर्पण का अपमान है।

एसोसिएशन का कहना है कि शिक्षक से एक तरफ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अपेक्षा की जाती है, तो दूसरी तरफ उन्हें ई-अटेंडेंस, ऑनलाइन डेटा अपलोडिंग, सर्वेक्षण, चुनाव और जनगणना जैसे अनेक गैर-शैक्षणिक व प्रशासनिक कार्यों में उलझा दिया जाता है। इससे शिक्षण कार्य के साथ-साथ शिक्षक के पद की गरिमा भी प्रभावित होती है। संगठन ने स्पष्ट किया कि वे शिक्षा की गुणवत्ता के पक्षधर हैं, लेकिन गुणवत्ता का पैमाना केवल एक लिखित परीक्षा नहीं, बल्कि बेहतर प्रशिक्षण, संसाधन और सम्मानजनक शैक्षणिक वातावरण होना चाहिए।

प्रमुख मांगें : सेवारत शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने हेतु संबंधित अधिनियम में आवश्यक संशोधन किया जाए। शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक एवं अनावश्यक प्रशासनिक दायित्वों से तुरंत मुक्त किया जाए। शिक्षा सुधार के नाम पर अनुभवी शिक्षकों को मानसिक, सामाजिक और आर्थिक असुरक्षा से बचाया जाए तथा उनकी गरिमा के अनुकूल नीतियां बनाई जाएं।

मवई में बिजली गुल होते ही ठप हो रहीं बैंकिंग और ऑनलाइन सेवाएं

मवई। जनपद मुख्यालय मवई में पिछले करीब एक सप्ताह से जारी नेटवर्क समस्या ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षेत्र में संचार का प्रमुख माध्यम जिओ नेटवर्क है, जो केवल बिजली रहने तक ही काम करता है। बिजली आपूर्ति बाधित होते ही नेटवर्क पूरी तरह बंद हो जाता है, जिससे पूरा इलाका संपर्क विहीन हो जाता है। बताया गया कि ब्लॉक मुख्यालय होने के कारण मवई में प्रतिदिन सैकड़ों लोग शासकीय एवं निजी कार्यों के लिए पहुंचते हैं, लेकिन इस तकनीकी खराबी से बैंकिंग सेवाएं, ऑनलाइन कार्य और सरकारी कामकाज पूरी तरह ठप पड़े हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि बीते हाट-बाजार के दिन इस समस्या का सबसे बड़ा असर देखने को मिला, जब क्षेत्र के 40 से 50 गांवों के ग्रामीण मवई पहुंचे थे। नेटवर्क न होने के कारण ग्रामीण बैंकों से खाद-बीज और जरूरी सामग्री खरीदने के लिए राशि नहीं निकाल पाए, जिससे उन्हें बिना खरीदारी के ही वापस लौटना पड़ा। वहीं, ऑनलाइन भुगतान न होने से स्थानीय व्यापारियों को भी भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने संबंधित विभाग से इस गंभीर समस्या का तत्काल समाधान करने की मांग की है।

ग्रामीणों के विरोध के बाद जागा वन विभाग, वन भूमि नाले पर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई

देवरी कला में आरक्षित वन भूमि पर पटवारी की मिलीभगत से फर्जी पट्टा

बबलिया। स्थानीय देवरी कला बबलिया वन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आरक्षित वन भूमि आरएफ 141 पर राजस्व अधिकारियों की साठगांठ से फर्जी तरीके से पट्टा बनाकर अतिक्रमण करने का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया है। ग्राम मझगांव और देवरी कला के निवासियों ने आरोप लगाया है कि अतिक्रमणकर्ता संतोष बैरागी निवासी मझगांव ने पटवारी हल्का और राजस्व अधिकारियों से मिलीभगत कर वन विभाग की आरक्षित नाला भूमि की अधिकार पुस्तिका पट्टा बनवा लिया और वहां जबरन खेती शुरू कर दी, जबकि उक्त स्थान पर वन विभाग का मुनारा पहले से लगा हुआ है।

ग्रामीणों ने बताया कि यह पूरा क्षेत्र सार्वजनिक निस्तार के लिए है। पटवारी द्वारा वन क्षेत्र के भीतर सरकारी भूमि का फर्जी पट्टा जारी किए जाने पर ग्रामीणों ने तीखा विरोध दर्ज कराया। ग्रामीणों का कहना है कि राजस्व विभाग को वन भूमि का पट्टा देने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर सरहदी क्षेत्र में नाली बॉन्डिंग बनाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की है। हालांकि ग्रामीणों ने शिकायत की है कि कार्रवाई के बाद भी अतिक्रमणकर्ता द्वारा रातों-रात कुछ पत्थर रखकर पुन: कब्जा करने की नीयत से प्रयास किया जा रहा है।

फेंसिंग और पौधरोपण कराने की मांग

वन सुरक्षा समिति के अध्यक्ष धरम कुलस्ते, भारत सिंह एवं अन्य ग्रामवासियों ने मांग की है कि इस सार्वजनिक निस्तार की भूमि को पूरी तरह सुरक्षित करने के लिए वहां तुरंत फेंसिंग कराई जाए और सघन पौधारोपण किया जाए, जिससे भविष्य में कोई दोबारा कब्जा न कर सके। वन क्षेत्र अधिकारी ने बताया कि रान टोला बीट में कंपार्टमेंट 141 के आरक्षित वन भूमि से भी अतिक्रमण हटाया गया है।

घुघरी के नंदा मोहल्ला में अधूरा पुल बना जी का जंजाल

लकड़ी के सहारे जान जोखिम में डालकर नाला पार कर रहे स्कूली बच्चे

घुघरी/लाटो। जनपद पंचायत घुघरी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत लाटो के नंदा मोहल्ला में निर्माणाधीन पुल का कार्य बीच में ही अधूरा छोड़ दिए जाने से क्षेत्र के ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मानसून की शुरुआत के साथ ही यहाँ स्थिति बेहद गंभीर और चिंताजनक हो गई है।

पुल का निर्माण पूर्ण न होने के कारण ग्रामीणों का सीधा आवागमन बाधित हो गया है। नाले में पानी का स्तर बढ़ने से स्कूली बच्चों को मजबूरी में लकड़ी का सहारा लेकर नाला पार करना पड़ रहा है, जिससे हर समय किसी बड़े हादसे या दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

ग्रामीणों ने रोष व्यक्त करते हुए बताया कि पुल का निर्माण कार्य लंबे समय से बंद पड़ा है। इस संबंध में संबंधित विभाग और ग्राम पंचायत को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन आज तक इसे पूरा कराने की दिशा में कोई ठोस प्रशासनिक पहल नहीं की गई है।

वर्तमान में नाले के उफान पर होने से सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं और छात्र-छात्राओं को उठानी पड़ रही है। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और संबंधित निर्माण एजेंसी से अधूरे पुल का कार्य युद्धस्तर पर पूरा कराने की मांग की है जिससे ग्रामीणों को सुरक्षित मार्ग मिल सके।

सेवा से हटाए गए अधिकारी को कैसे मिला वित्तीय प्रभार

मंडला। जिले के जनजाति कार्य विभाग में एक बड़ा प्रशासनिक गोलमाल सामने आया है। वित्तीय अनियमितता, गबन और लंबे समय तक लापता रहने के गंभीर आरोपों से घिरे मवई विकासखंड के घुटास स्कूल में पदस्थ कुलदीप कटल वर्तमान प्रभार डीपीसी, पूर्व बीईओ बिछिया के मामले में सहायक आयुक्त कार्यालय मंडला द्वारा जिला कलेक्टर के आदेशों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

बताया गया कि पूरा मामला झाबुआ में मध्यप्रदेश आदिवासी वित्त विकास एवं निगम में शाखा प्रबंधक के पद पर रहते हुए वर्ष 1995 से 1999 के बीच की गई वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है। जांच में दोषी पाए जाने के बाद आयुक्त आदिवासी विकास मप्र शासन ने 18 जून 2007 को स्पष्ट आदेश जारी कर कुलदीप कटल को दीर्घशास्ती के तहत शासकीय सेवा से हटा दिया था। सामान्य वित्तीय नियमों के अनुसार गबन के दोषी को दोबारा वित्तीय प्रभार नहीं दिया जा सकता। इसके बावजूद जिले के योग्य अधिकारियों की उपेक्षा कर एक दागी अधिकारी को प्राचार्य, बीईओ और डीपीसी जैसे महत्वपूर्ण वित्तीय पदों का प्रभार सौंप दिया गया, जो बड़ी साठगांठ की ओर इशारा करता है।

13 से शुरू होगा दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान

मंडला। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत की जा रही है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित यह विशेष अभियान आगामी 13 जुलाई से 18 जुलाई तक पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य ध्येय दुग्ध उत्पादन में वृद्धि, मध्यप्रदेश की समृद्धि के संकल्प को साकार करना है। अभियान के दौरान विभाग के विशेषज्ञ और मैदानी अमला सीधे पशुपालकों से संपर्क करेंगे और उन्हें डेयरी व्यवसाय को अधिक लाभदायक बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों से अवगत कराएंगे। अभियान के दौरान स्थानीय मवेशियों की नस्ल में सुधार कर दुग्ध उत्पादन क्षमता बढ़ाने के उपाय। मवेशियों के लिए संतुलित आहार, हरा चारा प्रबंधन और पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ। पशुओं को विभिन्न संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए समय पर टीकाकरण के प्रति जागरूकता।

उन्नत तकनीक के माध्यम से बछड़ियों के जन्म को बढ़ावा देने की तकनीक के बारे में विस्तृत जानकारी, जिससे भविष्य में दुग्ध उत्पादन में तेजी से वृद्धि हो सके।

शातिर चोर गिरफ्तार, 2 .70 लाख की बाइक और 9 मोबाइल बरामद

मनेरी क्षेत्र में मोबाइल और बाइक चोरी करने वाला अपराधी दबोचा

मनेरी/मंडला। पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा तथा एसडीओपी निवास पीएस बालरे के मार्गदर्शन में चौकी मनेरी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने क्षेत्र में लगातार हो रही मोबाइल और वाहन चोरी की वारदातों का पर्दाफाश करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से करीब 2.70 लाख मूल्य की शत-प्रतिशत चोरी गई संपत्ति बरामद की गई है।

रात में घर के सामने से पार की थी बाइक : मनेरी क्षेत्र में पिछले 15 दिनों से मोबाइल चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। इसी बीच 3 जुलाई 2026 को ग्राम मेडी निवासी संजय उर्फ भूरा बर्मन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि अज्ञात चोर उनके घर से स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 20 एनक्यू 7928 चोरी कर ले गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने संदिग्ध शिवम मरावी उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम खुख्र, थाना कुंडम, जिला जबलपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पूछताछ में उगलीं कई वारदातें, आरोपी है आदतन अपराधी : कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी शिवम मरावी ने मोटरसाइकिल चोरी की बात कबूल की। इसके साथ ही उसने पिछले 15 दिनों में मनेरी और जबलपुर के बरेला क्षेत्र से 9 स्मार्टफोन चोरी करने की वारदातें भी स्वीकार कीं।

समीक्षा बैठक से गायब एसएडीओ को नोटिस, कमिश्नर के दौरे को लेकर अलर्ट मोड पर विभाग

नीति आयोग के लक्ष्यों पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं : सीईओ

नवभारत, मंडला। जिला योजना भवन में आकांक्षी विकासखंड नारायणगंज के समग्र विकास को लेकर जिला एवं विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शाश्वत सिंह मीना ने की। इस दौरान विभागवार प्रगति का जायजा लेते हुए कमजोर प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में तत्काल सुधार करने और आगामी दिनों में होने वाले कमिश्नर के भ्रमण को लेकर आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में नीति आयोग द्वारा निर्धारित आकांक्षी विकासखंड के 5 मुख्य

थीम और 49 पैरामीटर्स के आधार पर विस्तृत समीक्षा की गई।

आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से शामिल विषयों पर प्रगति रिपोर्ट जांची गई। जिसमें संस्थागत प्रसव, एनीमिया मुक्त भारत और शत-प्रतिशत टीकाकरण। स्कूलों में बच्चों का नामांकन और उनकी दैनिक उपस्थिति। फसल विविधीकरण और मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण। स्वयं सहायता समूहों का बैंक ऋण लिंकेज। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल कनेक्शन और सड़क कनेक्टिविटी समेत अन्य विषयों की प्रगति रिपोर्ट देखी।

डेटा एंट्री समय पर करने और फील्ड वेरिफिकेशन के निर्देश

सीईओ ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन पैरामीटर्स पर प्रदर्शन कमजोर है, वहां मिशन मोड में कार्य कर शीघ्र सुधार लाया जाए। उन्होंने सभी विभागों को नीति आयोग के डैशबोर्ड पर डेटा एंट्री समय पर अपडेट करने तथा फील्ड लेवल पर जमीनी सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में ये रहे उपस्थित- इस जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में संबंधित विभागों के जिला प्रमुखों सहित विकासखंड स्तर से ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक परियोजना अधिकारी, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

लापरवाही पर लिया सख्त एक्शन

सीईओ शाश्वत सिंह मीना ने समीक्षा के दौरान निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध कम उपलब्धि वाले विभागों को कड़ी फटकार लगाई। कृषि विभाग के पैरामीटर्स की समीक्षा के दौरान नारायणगंज के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी की अनुपस्थिति पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की। सीईओ ने उप संचालक कृषि को निर्देशित किया कि संबंधित अधिकारी को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए।

जन अभियान परिषद का 29वां स्थापना दिवस आयोजित

नारायणगंज। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के 29वें स्थापना दिवस के अवसर को पूरे प्रदेश की तरह नारायणगंज में स्वेच्छिकता पर्व के रूप में उत्साह के साथ शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नारायणगंज में विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ।

यह आयोजन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक सुशील बर्मन के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सीएमसीएलडीपी पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं सहित क्षेत्र के समस्त परामर्शदाता राकेश अग्रवाल, वीरेंद्र अग्रवाल, इंद्रा उइके, सुमित हथाले एवं सुरेश सोनी ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई। उद्बोधन कार्यक्रम के

दौरान उपस्थित वक्ताओं ने परिषद के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इस दौरान बताया गया कि 4 जुलाई 1997 को जन अभियान परिषद का गठन समाजसेवी और समाजहित में हमेशा अग्रणी रहने वाले मूर्धन्य विद्वान स्व. अनिल दवे के मार्गदर्शन में किया गया था। आज परिषद ने अपने गौरवमयी 29 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए हैं। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि 4 से 12 जुलाई तक पूरे सेक्टर, सभी ग्रामों और पंचायतों में स्वेच्छिकता पर्व का आयोजन किया जाएगा। सीएमसीएलडीपी पाठ्यक्रम के छात्र एवं एमपी सोशल इंटर्न और सभी परामर्शदाता के साथ उपस्थित सभी लोग सामूहिकता और स्वेच्छिकता के भाव से मिलकर इस पर्व को मनाएंगे, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज के हर नागरिक को सामाजिक एवं राष्ट्रहित के कार्यों के लिए प्रेरित करना है।